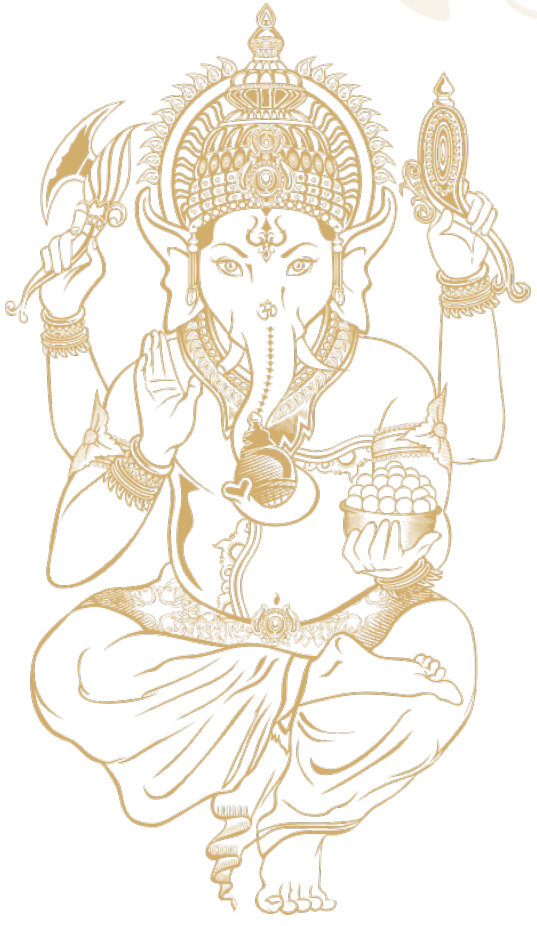

Pradeep

05 Mar 1987

07:15 AM

Jeypore

Model: Web-VarshDetails

Order No: 112920

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
05/03/1987	जन्म तिथि	**4-05/03/2018**
गुरुवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	06:08:00 घंटे
घटी 02:25:22	जन्म समय(घटी)	59:36:56 घटी
India	देश	India
Jeypore	स्थान	Jeypore
उत्तर 18:51:38	अक्षांश	18:51:38 उत्तर
पूर्व 82:33:03	रेखांश	82:33:03 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:12	स्थानिक संस्कार	00:00:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:51	सूर्योदय	06:17:13
18:06:00	सूर्यास्त	18:06:09
23:40:37	चित्रपक्षीय अयनांश	24:06:27

मीन	लग्न	कुम्भ
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मेष	राशि	कन्या
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
भरणी	नक्षत्र	चित्रा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	2
ऐन्द्र	योग	वृद्धि
कौलव	करण	बव
ले-लेखपाल	जन्म नामाक्षर	पो-पोशाली
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मूषक
31	गत/तत्कालिक वर्ष	32

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०भाद्रपद	2	07:42:26	मीन			लग्न			कुंभ	16:34:26	3	शतभिषा
पू०भाद्रपद	1	20:16:24	कुंभ			सूर्य			कुंभ	20:16:24	1	पू०भाद्रपद
भरणी	3	23:05:13	मेष			चंद्र			कन्या	28:51:24	2	चित्रा
भरणी	1	14:53:27	मेष			मंगल			वृश्चि	28:31:24	4	ज्येष्ठा
शतभिषा	1	09:35:27	कुंभ	व	अ	बुध			मीन	03:36:05	1	उ०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	2	06:52:00	मीन			गुरु			तुला	29:05:16	3	विशाखा
उत्तराषाढ़ा	4	08:21:49	मक			शुक्र			मीन	03:26:53	1	उ०भाद्रपद
ज्येष्ठा	4	26:55:11	वृश्चि			शनि			धनु	13:29:28	1	पूर्वाषाढ़ा
रेवती	1	18:06:07	मीन			राहु	व		कर्क	20:31:18	2	आश्लेषा
हस्त	3	18:06:07	कन्या			केतु	व		मक	20:31:18	4	श्रवण
मूल	1	02:43:48	धनु			मु			तुला	07:42:26	1	स्वाति

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:27

लग्न-चलित

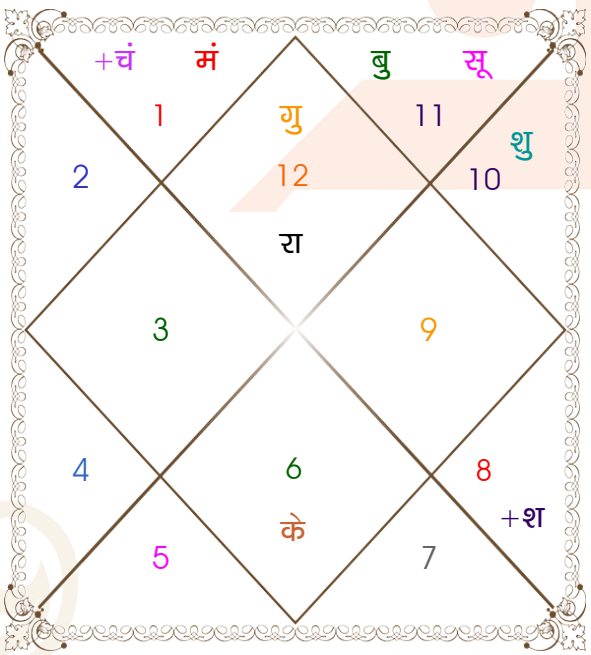

वर्ष लग्न कुंडली

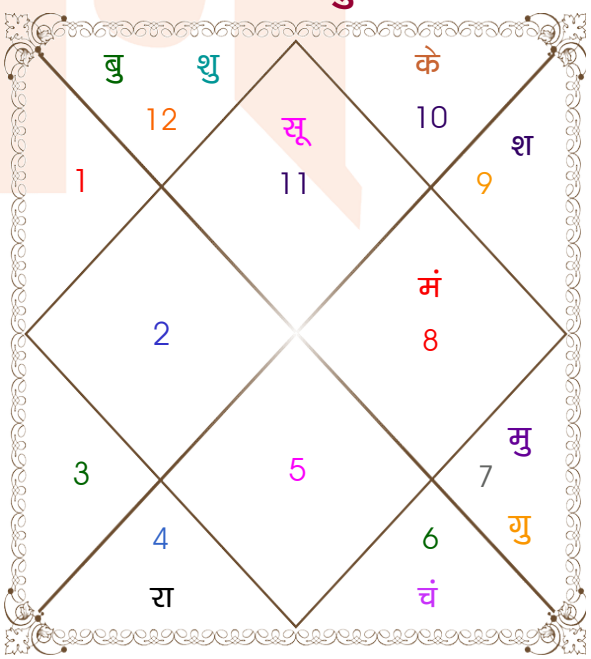

चन्द्र कुंडली

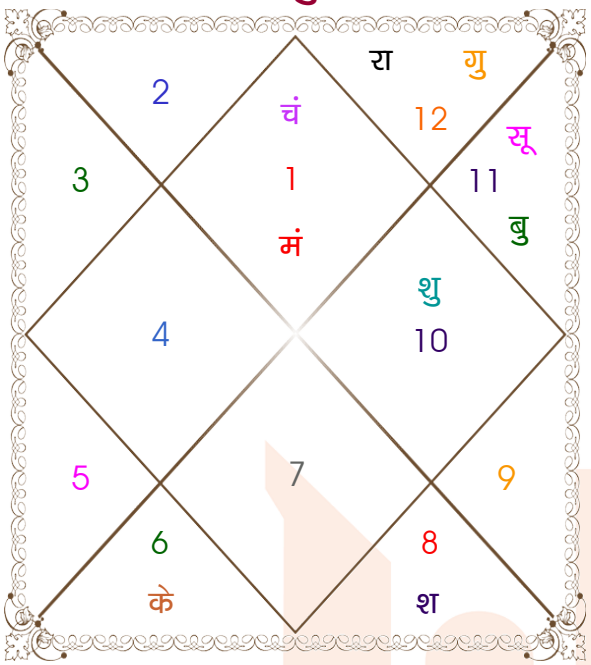

वर्ष चन्द्र कुंडली

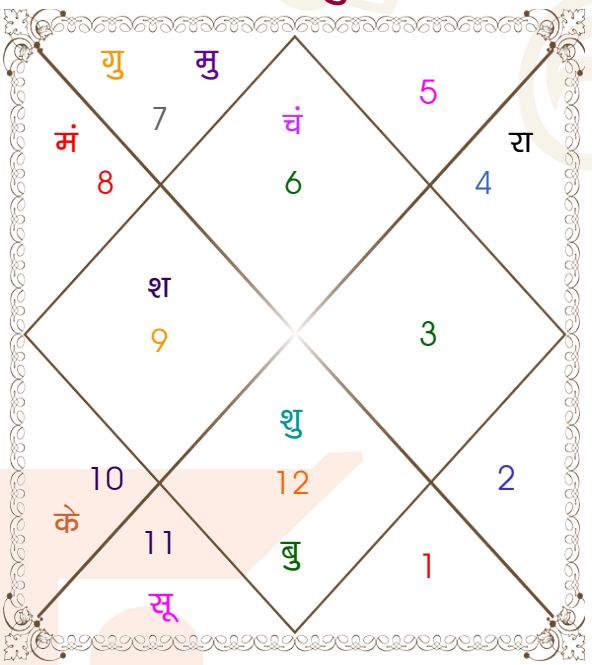

नवमांश कुंडली

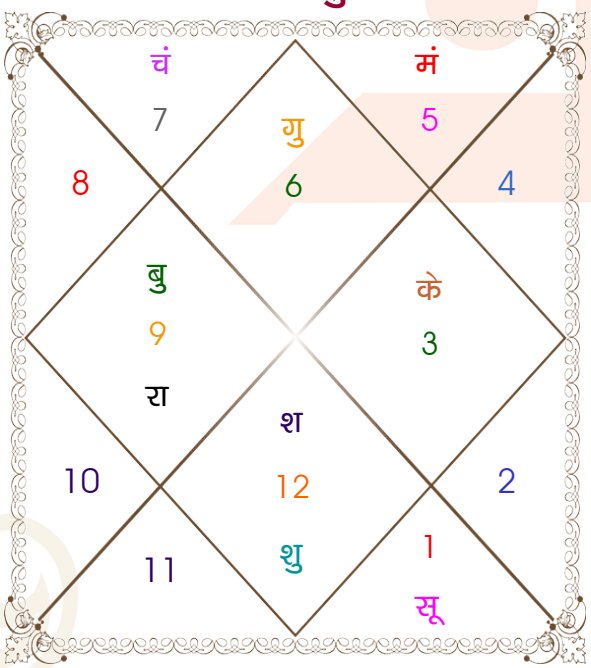

वर्ष नवमांश कुंडली

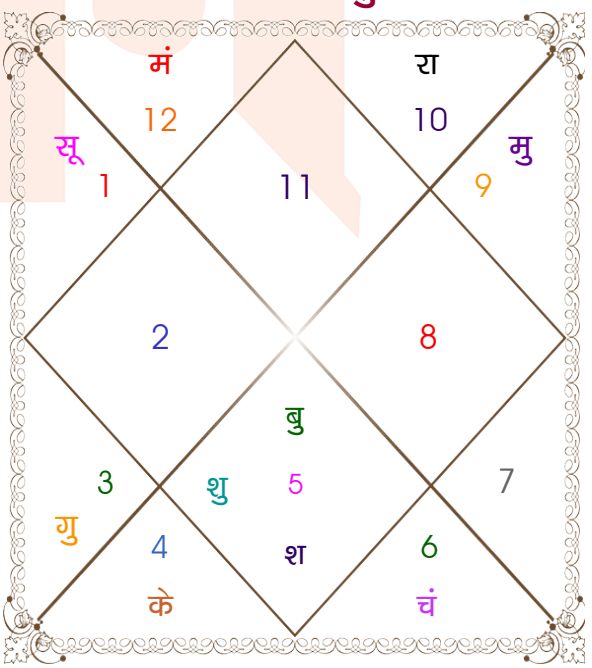

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	शत्रु	सम	मित्र	सम	मित्र
चन्द्र	सम	---	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	शत्रु	मित्र	---	मित्र	सम	मित्र	सम
बुध	सम	शत्रु	मित्र	---	सम	शत्रु	शत्रु
गुरु	मित्र	सम	सम	सम	---	सम	मित्र
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	---	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कुंभ	कुंभ	कन्या	वृश्चि	मीन	तुला	मीन	धनु
होरा	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह
द्रेष्काण	मिथु	कर्क	कन्या	वृष	मक	धनु	मक	कर्क
चतुर्थांश	सिंह	सिंह	मिथु	सिंह	मीन	कर्क	मीन	मीन
पंचमांश	धनु	मिथु	वृश्चि	वृश्चि	वृष	तुला	वृष	धनु
षष्ठांश	कर्क	सिंह	मीन	मीन	तुला	कन्या	तुला	मिथु
सप्तमांश	वृष	मिथु	कन्या	वृश्चि	कन्या	मेष	कन्या	मीन
अष्टमांश	धनु	मक	धनु	मीन	वृष	वृश्चि	वृष	सिंह
नवमांश	कुंभ	मेष	कन्या	मीन	सिंह	मिथु	सिंह	सिंह
दशमांश	कर्क	सिंह	कुंभ	मेष	धनु	कर्क	धनु	मेष
एकादशांश	कर्क	सिंह	मिथु	सिंह	मीन	कर्क	मीन	मीन
द्वादशांश	सिंह	तुला	सिंह	तुला	मेष	कन्या	मेष	वृष

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	शत्रु	स्व	सम	सम	सम	मित्र
होरा	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	शत्रु
चतुर्थांश	स्व	शत्रु	शत्रु	सम	सम	सम	मित्र
पंचमांश	सम	मित्र	स्व	शत्रु	सम	स्व	मित्र
षष्ठांश	स्व	सम	सम	शत्रु	सम	स्व	शत्रु
सप्तमांश	सम	शत्रु	स्व	स्व	सम	शत्रु	मित्र
अष्टमांश	मित्र	सम	सम	शत्रु	सम	स्व	मित्र
नवमांश	शत्रु	शत्रु	सम	सम	सम	सम	मित्र
दशमांश	स्व	शत्रु	स्व	सम	सम	सम	सम
एकादशांश	स्व	शत्रु	शत्रु	सम	सम	सम	मित्र
द्वादशांश	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु
शुभ	6	1	6	2	1	4	8
सम	5	4	3	5	11	5	1
अशुभ	1	7	3	5	0	3	3
कुल	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	0	5	0
तृतीय बल	0	5	5	5	0	5	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	10	10	10	0	15	5
बल	अतिक्षीण	सामान्य	सामान्य	सामान्य	अतिक्षीण	बली	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	7.50	30.00	15.00	15.00	15.00	22.50
उच्च बल	14.47	3.79	13.39	1.27	7.32	17.38	14.06
हददा बल	3.75	3.75	7.50	3.75	7.50	15.00	3.75
द्रेष्काण	5.00	2.50	7.50	2.50	10.00	2.50	2.50
नवमांश	1.25	1.25	2.50	2.50	2.50	2.50	3.75
कुल	46.97	18.79	60.89	25.02	42.32	52.38	46.56
विंशोपक	11.74	4.70	15.22	6.25	10.58	13.10	11.64
बल	शुभ	क्षीण	बली	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	10.58	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	शनि	11.64	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	शुक्र	13.10	दृष्टि नहीं	गुरु
दिवापति	बुध	6.25	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	गुरु	10.58	अतिशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	कर्क	07:59:26	चन्द्र	24/12/2018
गुरु	तुला	25:09:26	शुक्र	03/11/2018
ज्ञान	तुला	25:09:26	शुक्र	03/11/2018
यश	तुला	25:28:36	शुक्र	03/11/2018
मित्र	वृश्चिक	16:16:54	मंगल	16/01/2019
माहात्म्य	सिंह	07:06:23	सूर्य	03/09/2018
आशा	वृष	06:31:52	शुक्र	13/05/2018
समर्थ	मेष	01:32:30	मंगल	18/07/2018
भातृ	मकर	02:10:15	शनि	19/03/2018
गौरव	कुम्भ	20:02:32	शनि	01/05/2018
राजा	मेष	23:21:23	मंगल	11/08/2018
पितृ	मेष	23:21:23	मंगल	11/08/2018
मातृ	कर्क	21:09:56	चन्द्र	07/01/2019
सुत	मेष	16:48:19	मंगल	04/08/2018
जीव	वृष	00:58:38	शुक्र	07/05/2018
अम्बु	कर्क	21:09:56	चन्द्र	07/01/2019
कर्म	वृष	21:39:07	शुक्र	30/05/2018
रोग	कन्या	28:51:24	बुध	20/10/2018
कामदेव	मिथुन	01:12:30	बुध	06/06/2018
कलि	मेष	16:00:34	मंगल	03/08/2018
क्षेम	मेष	16:00:34	मंगल	03/08/2018
शास्त्र	वृष	18:00:16	शुक्र	26/05/2018
बन्धु	कर्क	21:19:07	चन्द्र	07/01/2019
बंधक	कर्क	21:19:07	चन्द्र	07/01/2019
मृत्यु	धनु	02:58:22	गुरु	02/04/2018

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	वृश्चिक	03:13:43	मंगल	04/01/2019
अर्थ	कर्क	05:49:28	चन्द्र	22/12/2018
परदारा	मीन	29:44:56	गुरु	02/08/2018
अन्यकर्म	धनु	01:56:22	गुरु	01/04/2018
वणिक	तुला	11:49:45	शुक्र	20/10/2018
कार्यसिद्धि	तुला	06:42:31	शुक्र	14/10/2018
विवाह	वृष	06:31:52	शुक्र	13/05/2018
प्रसूति	वृश्चिक	12:03:37	मंगल	12/01/2019
संताप	वृश्चिक	02:58:22	मंगल	04/01/2019
श्रद्धा	वृष	21:29:56	शुक्र	30/05/2018
प्रीति	कर्क	03:44:25	चन्द्र	19/12/2018
बल	तुला	25:28:36	शुक्र	03/11/2018
देह	तुला	25:28:36	शुक्र	03/11/2018
जाडय	कुम्भ	18:38:01	शनि	29/04/2018
व्यापार	धनु	11:29:45	गुरु	09/04/2018
जलपतन	कुम्भ	18:38:01	शनि	29/04/2018
शत्रु	कुम्भ	01:36:22	शनि	15/04/2018
शौर्य	कन्या	26:02:29	बुध	17/10/2018
उपाय	वृष	00:58:38	शुक्र	07/05/2018
दरिद्रता	कर्क	07:59:26	चन्द्र	24/12/2018
गुरुता	वृष	06:18:02	शुक्र	13/05/2018
जलपथ	कन्या	18:04:58	बुध	08/10/2018
बंधन	कन्या	11:04:25	बुध	30/09/2018
कन्या	कर्क	21:09:56	चन्द्र	07/01/2019
अश्व	मिथुन	07:49:13	बुध	13/06/2018

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

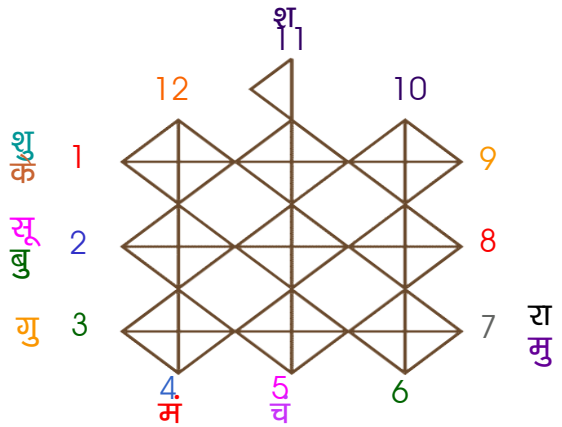

पात्यंश दशा

शुक्र		बुध		शनि		लग्न		सूर्य	
05/03/2018		17/04/2018		19/04/2018		21/08/2018		29/09/2018	
17/04/2018		19/04/2018		21/08/2018		29/09/2018		14/11/2018	
शुक्र	10/03/2018	बुध	17/04/2018	शनि	31/05/2018	लग्न	25/08/2018	सूर्य	05/10/2018
बुध	10/03/2018	शनि	18/04/2018	लग्न	13/06/2018	सूर्य	30/08/2018	मंगल	18/10/2018
शनि	25/03/2018	लग्न	18/04/2018	सूर्य	29/06/2018	मंगल	10/09/2018	चंद्र	18/10/2018
लग्न	29/03/2018	सूर्य	18/04/2018	मंगल	03/08/2018	चंद्र	11/09/2018	गुरु	19/10/2018
सूर्य	04/04/2018	मंगल	19/04/2018	चंद्र	05/08/2018	गुरु	11/09/2018	शुक्र	24/10/2018
मंगल	16/04/2018	चंद्र	19/04/2018	गुरु	06/08/2018	शुक्र	16/09/2018	बुध	25/10/2018
चंद्र	17/04/2018	गुरु	19/04/2018	शुक्र	21/08/2018	बुध	16/09/2018	शनि	09/11/2018
गुरु	17/04/2018	शुक्र	19/04/2018	बुध	21/08/2018	शनि	29/09/2018	लग्न	14/11/2018

मंगल		चंद्र		गुरु		गुरु		गुरु	
14/11/2018		26/02/2019		02/03/2019		02/03/2019		02/03/2019	
26/02/2019		02/03/2019		05/03/2019		05/03/2019		05/03/2019	
मंगल	14/12/2018	चंद्र	26/02/2019	गुरु	02/03/2019	गुरु	02/03/2019	गुरु	02/03/2019
चंद्र	15/12/2018	गुरु	26/02/2019	शुक्र	02/03/2019	शुक्र	02/03/2019	शुक्र	02/03/2019
गुरु	16/12/2018	शुक्र	26/02/2019	बुध	02/03/2019	बुध	02/03/2019	बुध	02/03/2019
शुक्र	28/12/2018	बुध	27/02/2019	शनि	03/03/2019	शनि	03/03/2019	शनि	03/03/2019
बुध	29/12/2018	शनि	28/02/2019	लग्न	04/03/2019	लग्न	04/03/2019	लग्न	04/03/2019
शनि	02/02/2019	लग्न	28/02/2019	सूर्य	04/03/2019	सूर्य	04/03/2019	सूर्य	04/03/2019
लग्न	13/02/2019	सूर्य	01/03/2019	मंगल	05/03/2019	मंगल	05/03/2019	मंगल	05/03/2019
सूर्य	26/02/2019	मंगल	02/03/2019	चंद्र	05/03/2019	चंद्र	05/03/2019	चंद्र	05/03/2019

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

राहु		गुरु		शनि		बुध		केतु	
05/03/2018		29/04/2018		16/06/2018		13/08/2018		04/10/2018	
29/04/2018		16/06/2018		13/08/2018		04/10/2018		25/10/2018	
राहु	13/03/2018	गुरु	05/05/2018	शनि	25/06/2018	बुध	20/08/2018	केतु	05/10/2018
गुरु	20/03/2018	शनि	13/05/2018	बुध	04/07/2018	केतु	23/08/2018	शुक्र	09/10/2018
शनि	29/03/2018	बुध	20/05/2018	केतु	07/07/2018	शुक्र	01/09/2018	सूर्य	10/10/2018
बुध	06/04/2018	केतु	22/05/2018	शुक्र	17/07/2018	सूर्य	04/09/2018	चंद्र	11/10/2018
केतु	09/04/2018	शुक्र	31/05/2018	सूर्य	19/07/2018	चंद्र	08/09/2018	मंगल	13/10/2018
शुक्र	18/04/2018	सूर्य	02/06/2018	चंद्र	24/07/2018	मंगल	11/09/2018	राहु	16/10/2018
सूर्य	21/04/2018	चंद्र	06/06/2018	मंगल	28/07/2018	राहु	19/09/2018	गुरु	19/10/2018
चंद्र	25/04/2018	मंगल	09/06/2018	राहु	05/08/2018	गुरु	26/09/2018	शनि	22/10/2018
मंगल	29/04/2018	राहु	16/06/2018	गुरु	13/08/2018	शनि	04/10/2018	बुध	25/10/2018

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु	
25/10/2018		25/12/2018		12/01/2019		12/02/2019		05/03/2019	
25/12/2018		12/01/2019		12/02/2019		05/03/2019		00/00/0000	
शुक्र	04/11/2018	सूर्य	26/12/2018	चंद्र	15/01/2019	मंगल	13/02/2019	राहु	05/03/2019
सूर्य	07/11/2018	चंद्र	27/12/2018	मंगल	17/01/2019	राहु	16/02/2019		00/00/0000
चंद्र	12/11/2018	मंगल	28/12/2018	राहु	21/01/2019	गुरु	19/02/2019		00/00/0000
मंगल	16/11/2018	राहु	31/12/2018	गुरु	25/01/2019	शनि	22/02/2019		00/00/0000
राहु	25/11/2018	गुरु	03/01/2019	शनि	30/01/2019	बुध	25/02/2019		00/00/0000
गुरु	03/12/2018	शनि	06/01/2019	बुध	03/02/2019	केतु	27/02/2019		00/00/0000
शनि	13/12/2018	बुध	08/01/2019	केतु	05/02/2019	शुक्र	02/03/2019		00/00/0000
बुध	21/12/2018	केतु	09/01/2019	शुक्र	10/02/2019	सूर्य	03/03/2019		00/00/0000
केतु	25/12/2018	शुक्र	12/01/2019	सूर्य	12/02/2019	चंद्र	05/03/2019		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - गुरु - गुरु	
30/03/2018 10:41	
25/07/2018 07:48	
गुरु	15/04/2018 00:42
शनि	03/05/2018 12:50
बुध	20/05/2018 02:14
केतु	26/05/2018 21:52
शुक्र	15/06/2018 09:23
सूर्य	21/06/2018 05:38
चंद्र	30/06/2018 23:24
मंगल	07/07/2018 19:02
राहु	25/07/2018 07:48

राहु - गुरु - शनि	
25/07/2018 07:48	
11/12/2018 02:53	
शनि	16/08/2018 07:13
बुध	04/09/2018 23:07
केतु	13/09/2018 01:26
शुक्र	06/10/2018 04:37
सूर्य	13/10/2018 03:10
चंद्र	24/10/2018 16:46
मंगल	01/11/2018 19:04
राहु	22/11/2018 14:44
गुरु	11/12/2018 02:53

राहु - गुरु - बुध	
11/12/2018 02:53	
14/04/2019 07:19	
बुध	28/12/2018 17:07
केतु	04/01/2019 22:58
शुक्र	25/01/2019 15:42
सूर्य	31/01/2019 20:44
चंद्र	11/02/2019 05:06
मंगल	18/02/2019 10:58
राहु	09/03/2019 02:01
गुरु	25/03/2019 15:25
शनि	14/04/2019 07:19

राहु - गुरु - केतु	
14/04/2019 07:19	
04/06/2019 10:34	
केतु	17/04/2019 06:55
शुक्र	25/04/2019 19:27
सूर्य	28/04/2019 08:49
चंद्र	02/05/2019 15:05
मंगल	05/05/2019 14:40
राहु	13/05/2019 06:45
गुरु	20/05/2019 02:23
शनि	28/05/2019 04:42
बुध	04/06/2019 10:34

राहु - गुरु - शुक्र	
04/06/2019 10:34	
28/10/2019 12:58	
शुक्र	28/06/2019 18:58
सूर्य	06/07/2019 02:17
चंद्र	18/07/2019 06:29
मंगल	26/07/2019 19:01
राहु	17/08/2019 16:59
गुरु	06/09/2019 04:30
शनि	29/09/2019 07:41
बुध	20/10/2019 00:25
केतु	28/10/2019 12:58

राहु - गुरु - सूर्य	
28/10/2019 12:58	
11/12/2019 08:53	
सूर्य	30/10/2019 17:33
चंद्र	03/11/2019 09:13
मंगल	05/11/2019 22:35
राहु	12/11/2019 12:22
गुरु	18/11/2019 08:37
शनि	25/11/2019 07:11
बुध	01/12/2019 12:12
केतु	04/12/2019 01:34
शुक्र	11/12/2019 08:53

राहु - गुरु - चंद्र	
11/12/2019 08:53	
22/02/2020 10:05	
चंद्र	17/12/2019 10:59
मंगल	21/12/2019 17:15
राहु	01/01/2020 16:14
गुरु	11/01/2020 09:59
शनि	22/01/2020 23:35
बुध	02/02/2020 07:57
केतु	06/02/2020 14:13
शुक्र	18/02/2020 18:25
सूर्य	22/02/2020 10:05

राहु - गुरु - मंगल	
22/02/2020 10:05	
13/04/2020 13:19	
मंगल	25/02/2020 09:40
राहु	04/03/2020 01:45
गुरु	10/03/2020 21:23
शनि	18/03/2020 23:42
बुध	26/03/2020 05:34
केतु	29/03/2020 05:09
शुक्र	06/04/2020 17:41
सूर्य	09/04/2020 07:03
चंद्र	13/04/2020 13:19

राहु - गुरु - राहु	
13/04/2020 13:19	
23/08/2020 01:05	
राहु	03/05/2020 06:41
गुरु	20/05/2020 19:27
शनि	10/06/2020 15:07
बुध	29/06/2020 06:11
केतु	06/07/2020 22:16
शुक्र	28/07/2020 20:14
सूर्य	04/08/2020 10:01
चंद्र	15/08/2020 09:00
मंगल	23/08/2020 01:05

राहु - शनि - शनि	
23/08/2020 01:05	
03/02/2021 20:44	
शनि	18/09/2020 03:24
बुध	11/10/2020 11:47
केतु	21/10/2020 02:31
शुक्र	17/11/2020 13:48
सूर्य	25/11/2020 19:35
चंद्र	09/12/2020 13:13
मंगल	19/12/2020 03:58
राहु	12/01/2021 21:19
गुरु	03/02/2021 20:44

राहु - शनि - बुध	
03/02/2021 20:44	
01/07/2021 08:01	
बुध	24/02/2021 18:08
केतु	05/03/2021 08:35
शुक्र	29/03/2021 22:28
सूर्य	06/04/2021 07:26
चंद्र	18/04/2021 14:22
मंगल	27/04/2021 04:50
राहु	19/05/2021 07:43
गुरु	07/06/2021 23:37
शनि	01/07/2021 08:01

राहु - शनि - केतु	
01/07/2021 08:01	
31/08/2021 01:21	
केतु	04/07/2021 21:01
शुक्र	14/07/2021 23:55
सूर्य	18/07/2021 00:47
चंद्र	23/07/2021 02:14
मंगल	26/07/2021 15:14
राहु	04/08/2021 17:50
गुरु	12/08/2021 20:09
शनि	22/08/2021 10:54
बुध	31/08/2021 01:21

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह शनि (धनु 13:29:28), एवं शीघ्र गति ग्रह सूर्य (कुंभ 20:16:24), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग सामान्यतया शुभ नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में आपका दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नहीं रहेगा तथा आपस में मतभेद उत्पन्न होंगे जिससे संबंधो में तनाव उत्पन्न होगा। अतः ऐसे समय में यदि सांमजस्य स्थापित करे तो ऐसी समस्याओं में कमी आ सकती है। विवाह योग्य लोगों का इस वर्ष विवाह में गतिरोध या विलम्ब हो सकता है। व्यापार में इस समय साझेदार से परेशानियां उत्पन्न होंगी तथा संबंधो में तनाव भी होगा एवं उससे आपको हानि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके अतिरिक्त राजनीति में सक्रिय लोगों को भी अल्प मात्रा में ही सफलता मिलेगी लेकिन इससे सन्तुष्टि नहीं होगी अतः

बुद्धिमता पूर्वक कार्य कलापों से सम्पन्न करें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग शनि तथा गुरु के मध्य है क्योंकि सूर्य शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेगें। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा इस समय राज्य या सरकार से आपको सम्मान प्राप्त होगा तथा कार्यक्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इसमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।इस समय आपके विगत रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे एवं मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। साथ ही संतति पक्ष से भी निश्चिन्त एवं प्रसन्न रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा अन्य लोग भी आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में उन्नति तथा लाभ के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा तथा किसी नवीन व्यापार की भी आप योजना बनाएंगे इससे भविष्य में आपको वांछित लाभ की प्रप्ति होगी। मित्रों एवं संबधियों से इस समय आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगे । इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख भी आपको प्राप्त होगा। अतः समय की अनुकूलता को देखते हुए समय का सदुपयोग करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष मित्र एवं संबंधियों से आपको इच्छित सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। संतति पक्ष से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा । साथ ही अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता प्राप्त करेंगे। इस समय भौतिक सुख संसाधनों को आप अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी इस समय पूर्ण होंगी तथा भाग्योदय संबंधी कोई महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी तथा व्यापार का विस्तार या कोई नवीन योजना प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय महापुरूषों तथा राजनेताओं से आपके संबंध स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ की प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त क्रय विक्रय संबंधी कार्य में आपको इच्छित लाभ होगा एवं आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ रहेगी। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

प्रथम मास

05/03/2018 06:08:00 से 04/04/2018 10:38:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	16:34:26
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:16:24
चन्द्र		कन्या	चित्रा	28:51:24
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:31:24
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	03:36:05
गुरु		तुला	विशाखा	29:05:16
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	03:26:53
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:29:28
राहु	व	कर्क	आश्लेषा	20:31:18
केतु	व	मकर	श्रवण	20:31:18
मुंथा		तुला	स्वाति	07:42:26

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

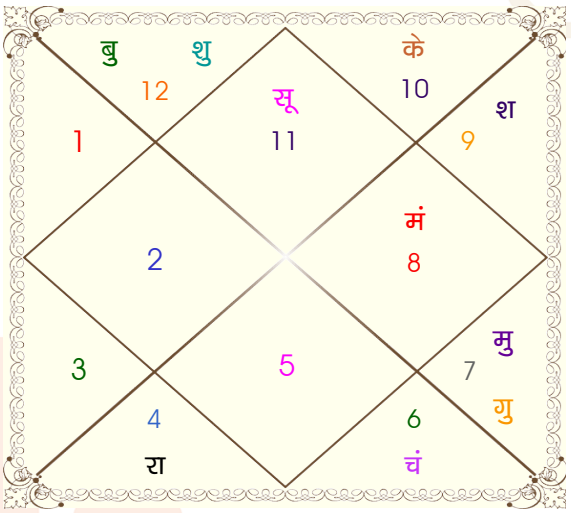

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी सम्पन्न हो सकता है। सन्तति से आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे।समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

साथ ही आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य द्रव्यों को भी अर्जित करेंगे।अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास
04/04/2018 10:38:38 से 05/05/2018 03:37:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	06:31:50
सूर्य		मीन	रेवती	20:16:24
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	04:58:10
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:41:43
बुध	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:48:16
गुरु	व	तुला	विशाखा	28:04:36
शुक्र		मेष	अश्विनी	10:49:45
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:52:56
राहु	व	कर्क	आश्लेषा	18:42:16
केतु	व	मकर	श्रवण	18:42:16
मुंथा		तुला	स्वाति	10:12:26

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

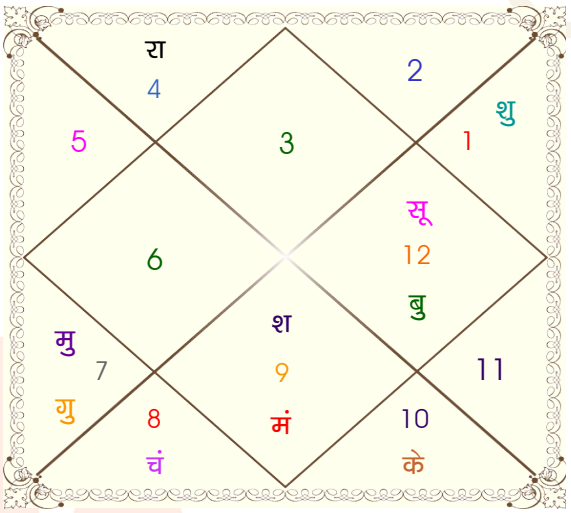

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास
05/05/2018 03:37:31 से 05/06/2018 07:32:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	15:02:40
सूर्य		मेष	भरणी	20:16:24
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:51:06
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:07:33
बुध		मीन	रेवती	24:02:32
गुरु	व	तुला	विशाखा	24:46:11
शुक्र		वृष	रोहिणी	18:17:41
शनि	व	धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:48:40
राहु	व	कर्क	पुष्य	15:36:03
केतु	व	मकर	श्रवण	15:36:03
मुंथा		तुला	स्वाति	12:42:26

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

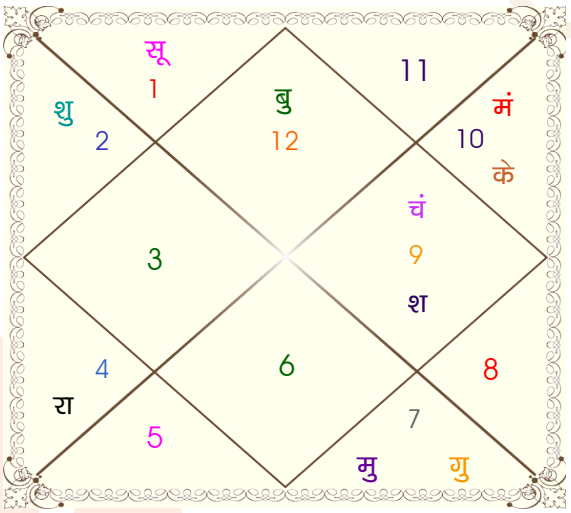

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। अतः शत्रु पक्ष से आप चिन्तित रहेंगे तथा ये आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से आपको सावधान रहना चाहिए। इस महीने में आपका अनावश्यक धन का व्यय होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्ट की अनुभूति करेंगे फलतः आपकी शारीरिक शक्ति का ह्रास होगा। साथ ही इस महीने आप घर से दूर किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। सांसारिक कार्यों में भी आपको कष्ट होगा तथा मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी एसे कार्य को भी आप सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी मान प्रतिष्ठा को आघात पहुचेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आप किसी प्रकार से हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास
05/06/2018 07:32:12 से 06/07/2018 17:43:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	19:30:14
सूर्य		वृष	रोहिणी	20:16:24
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	01:28:45
मंगल		मकर	श्रवण	12:19:23
बुध		वृष	रोहिणी	19:01:48
गुरु	व	तुला	विशाखा	21:04:11
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	25:31:57
शनि	व	धनु	मूल	13:19:50
राहु		कर्क	पुष्य	13:02:48
केतु		मकर	श्रवण	13:02:48
मुंथा		तुला	स्वाति	15:12:26

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

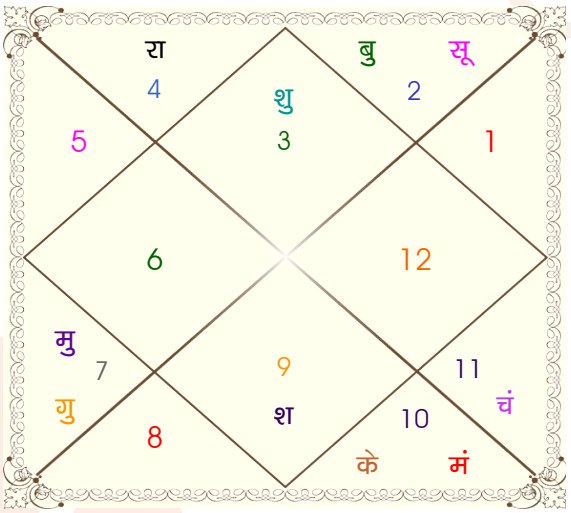

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

पंचम् मास
06/07/2018 17:43:19 से 07/08/2018 03:38:50 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	07:32:13
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	20:16:24
चन्द्र		मीन	रेवती	22:26:43
मंगल	व	मकर	श्रवण	14:31:29
बुध		कर्क	पुष्य	15:54:24
गुरु	व	तुला	स्वाति	19:15:34
शुक्र		सिंह	मघा	01:50:56
शनि	व	धनु	मूल	11:05:19
राहु	व	कर्क	पुष्य	11:57:21
केतु	व	मकर	श्रवण	11:57:21
मुंथा		तुला	स्वाति	17:42:26

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

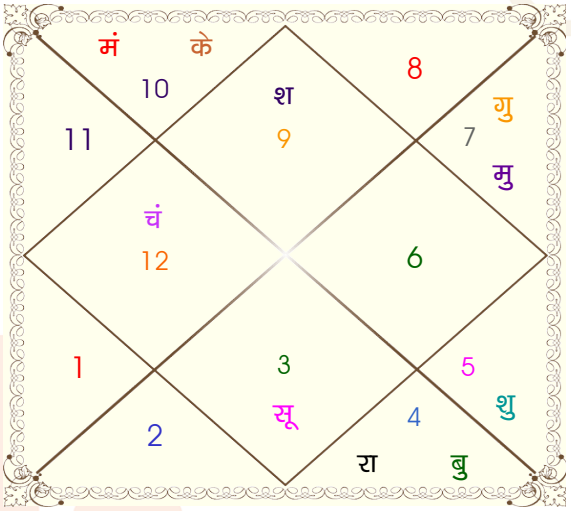

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे ।सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी इस मास में सफलता प्राप्त करेंगे ।शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन भी प्रसन्नता से युक्त रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी। मित्रों तथा संबधियों से आपके संबध मधुर एवं घनिष्ठ रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास आपको वांछित द्रव्यों की प्राप्ति होगी जिसके उपभोग से आप सुखी तथा निश्चिंत रहेंगे। साथ ही बन्धु वर्ग में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कई शुभ कार्य सिद्ध होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास

07/08/2018 03:38:50 से 07/09/2018 06:51:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	22:42:22
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	20:16:24
चन्द्र		वृष	रोहिणी	17:56:04
मंगल	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	07:12:44
बुध	व	कर्क	आश्लेषा	24:03:21
गुरु		तुला	विशाखा	20:19:17
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	05:49:52
शनि	व	धनु	मूल	09:09:20
राहु		कर्क	पुष्य	11:45:29
केतु		मकर	श्रवण	11:45:29
मुंथा		तुला	विशाखा	20:12:26

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

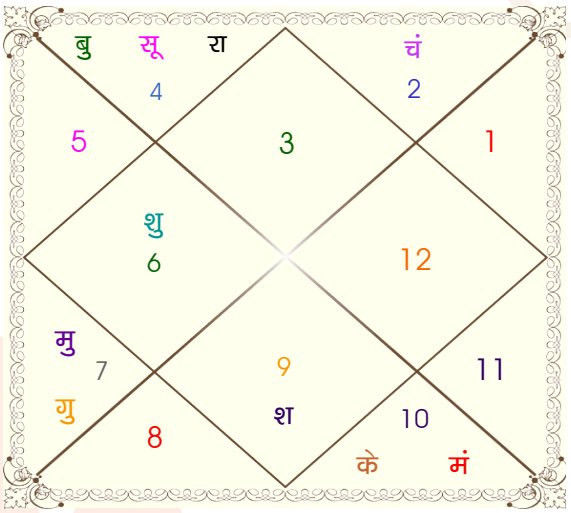

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास
07/09/2018 06:51:04 से 07/10/2018 22:52:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:50:12
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:16:24
चन्द्र		कर्क	पुष्य	12:54:59
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:13:51
बुध		सिंह	मघा	07:35:34
गुरु		तुला	विशाखा	23:55:02
शुक्र		तुला	चित्रा	04:10:24
शनि		धनु	मूल	08:25:42
राहु	व	कर्क	पुष्य	11:17:04
केतु	व	मकर	श्रवण	11:17:04
मुंथा		तुला	विशाखा	22:42:26

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

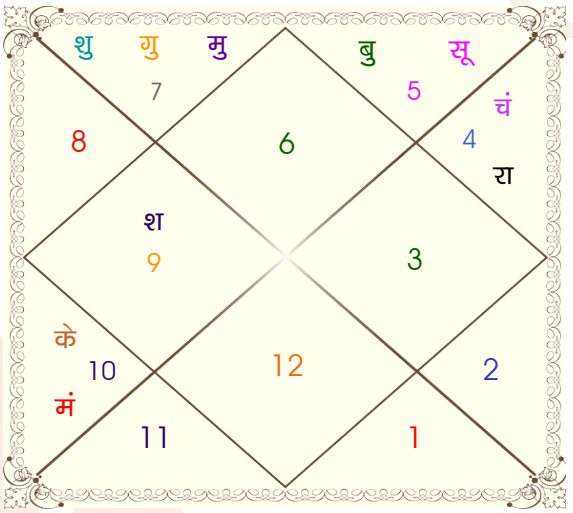

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
07/10/2018 22:52:18 से 07/11/2018 02:25:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	13:06:31
सूर्य		कन्या	हस्त	20:16:24
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:12:52
मंगल		मकर	श्रवण	14:38:10
बुध		तुला	चित्रा	02:16:08
गुरु		तुला	विशाखा	29:14:30
शुक्र	व	तुला	स्वाति	16:39:07
शनि		धनु	मूल	09:12:52
राहु	व	कर्क	पुष्य	09:11:46
केतु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	09:11:46
मुंथा		तुला	विशाखा	25:12:26

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

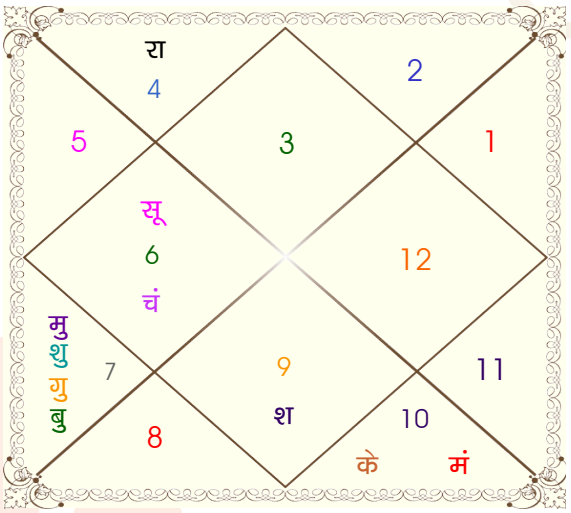

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

नवम् मास
07/11/2018 02:25:11 से 06/12/2018 19:31:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:38:27
सूर्य		तुला	विशाखा	20:16:24
चन्द्र		तुला	स्वाति	10:21:10
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	00:26:27
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	13:25:45
गुरु		वृश्चिक	अनुराधा	05:31:18
शुक्र	व	तुला	चित्रा	02:59:17
शनि		धनु	मूल	11:19:08
राहु	व	कर्क	पुष्य	05:51:27
केतु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	05:51:27
मुंथा		तुला	विशाखा	27:42:26

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

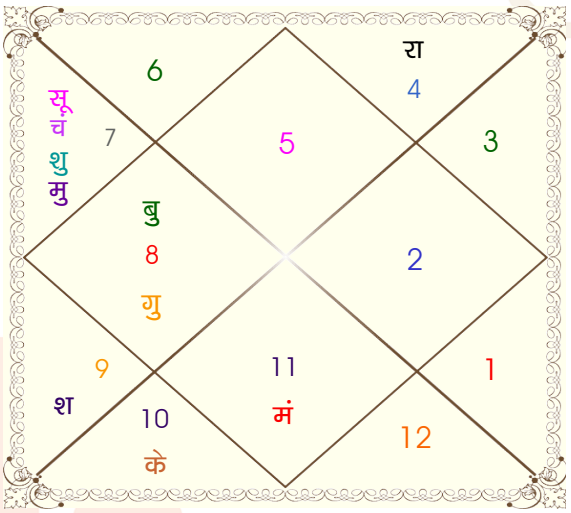

यह मास आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक इनका पूजन तथा आदर करते रहेंगे।साथ ही दूसरे लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपका उचित सहयोग एवं मित्रता रहेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सुख एवं सहयोग आपको प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी आप यदाकदा प्राप्त करेंगे।अतः आप ठंड या वातरोग से पीड़ित हो सकते है तथा आपके द्वारा कोई ऐसा कार्य भी सम्पन्न होगा जिसके लिए आपको पछताना पड़ेगा जिससे समाज में सम्मान में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

दशम् मास
06/12/2018 19:31:27 से 05/01/2019 06:50:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	20:58:54
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:16:24
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	11:52:00
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	18:57:59
बुध	व	वृश्चिक	विशाखा	03:09:42
गुरु		वृश्चिक	अनुराधा	12:07:22
शुक्र		तुला	स्वाति	08:09:55
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:19:02
राहु	व	कर्क	पुनर्वसु	03:19:51
केतु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	03:19:51
मुंथा		वृश्चिक	विशाखा	00:12:26

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

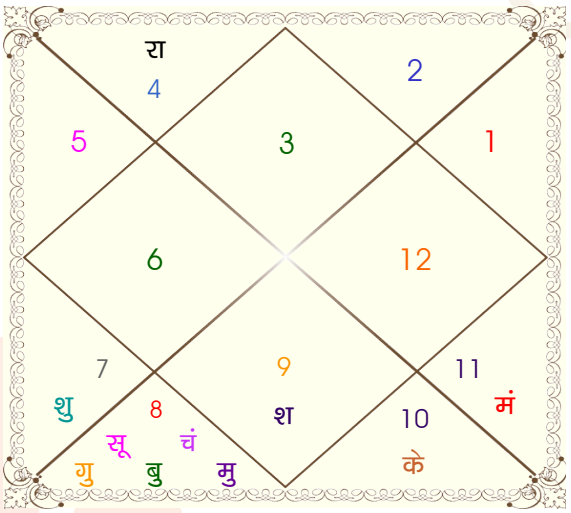

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी।साथ ही आपके शत्रु भी इस महीने में प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे।अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको पूर्ण सहयोग करना चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा होने पर वे आपको दंडित कर सकते हैं।साथ ही इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे एवं धन का व्यय भी अधिक रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज से भी आप उपेक्षित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय सफल नहीं होगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आपको यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सामान्य धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे।

एकादश मास
05/01/2019 06:50:04 से 03/02/2019 18:23:07 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:17:23
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:16:24
चन्द्र		धनु	मूल	09:08:34
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	08:32:42
बुध		धनु	मूल	05:44:11
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:29:46
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	03:25:08
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:44:15
राहु	व	कर्क	पुनर्वसु	02:37:04
केतु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	02:37:04
मुंथा		वृश्चिक	विशाखा	02:42:26

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

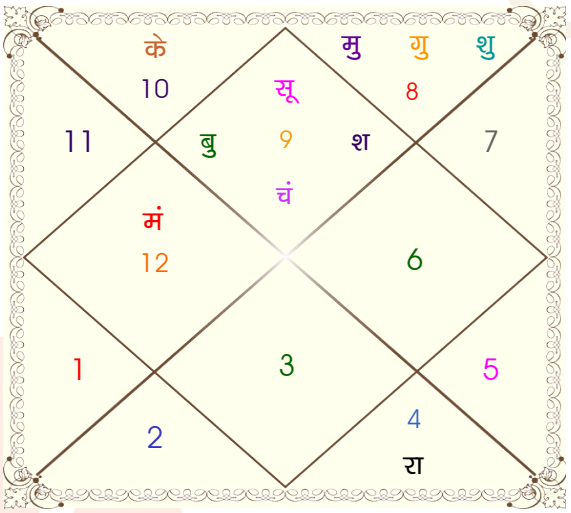

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा।साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

03/02/2019 18:23:07 से 05/03/2019 12:09:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	27:43:16
सूर्य		मकर	श्रवण	20:16:24
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:47:56
मंगल		मीन	रेवती	28:29:35
बुध		मकर	धनिष्ठा	23:28:56
गुरु		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:04:59
शुक्र		धनु	मूल	05:25:27
शनि		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:06:51
राहु	व	कर्क	पुनर्वसु	02:41:32
केतु	व	मकर	उत्तराषाढ़ा	02:41:32
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	05:12:26

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

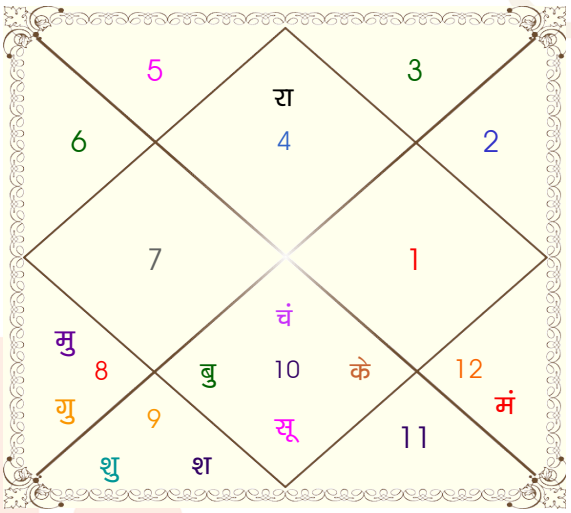

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।